धानी चुनरिया ओढ़ के | By Sanjeev Pratihast

धानी चुनरिया ओढ के मैं नाचू छमाछम मंदिर में

लाज शर्म सब छोड़ कर मैं नाचू छमाछम मंदिर में

मीठी मधुर एक तान सुनाकर तूने दीवानी कर डाला

तिरछी नजर से तीर चला कर दिल मेरा घायल कर डाला

तेरी बिरहा में जलते जलते नाचू छमाछम मंदिर में

धानी चुनरिया ओढ के मैं नाचू छमाछम मंदिर में

तेरे इश्क की बरसे बदरिया जब से मुझ पर बूंद गिरा

सारे कहे मुझे तेरी जोगणिया जब से तुझसे नैन मिला

बाबुल की गलियां सब जग तज के नाचू छमाछम मंदिर में

धानी चुनरिया ओढ के मैं नाचू छमाछम मंदिर में

जब से लगन मुझको तेरी लागी बस में नहीं है मेरा यह दिल

अपने ही रंग में रंग ले कन्हैया अब तो हुआ जीना मुश्किल

संजीव सांवरिया तेरे भवन पर नाचेछमाछम मंदिर में

धानी चुनरिया ओढ के मैं नाचू छमाछम मंदिर में

https://bhaktivandana.com/lyrics/dhaani-chunariya-odh-ke-by-sanjeev-pratihast/